कि उसी नंबर से कॉल की जा रही है।

हिंदुस्तान कानपुर 16/02/2022

किसानों को दे रहे नई तकनीक के टिप्स

कानपुर। सीएसए के वैज्ञानिक अब प्रयोगशाला में शोध करने के साथ खेतों में जाकर किसानों को नई तकनीक की जानकारी दे रहे हैं। कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देश के बाद मंगलवार को रजिस्ट्रार व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सीएल मौर्या ने कई गांवों का भ्रमण किया।फत्तेपुर, पतरा, सुजानपुर व विवि के गोद लिए गांव अनूपपुर में किसानों को गेहूं, सरसों, चना व मटर आदि रबी फसलों में शुद्ध बीज उत्पादन के लिए प्रयुक्त होने वाली तकनीकों के विषय में जानकारी दी।

अमर उजाला कानपुर 16/02/2022

सीएसए में मिड टर्म परीक्षाएं आज से

कानपुर। सीएसए में बुधवार से मिड टर्म की परीक्षाएं ऑनलाइन होंगी। परीक्षाओं में यूजी, पीजी और पीएचडी के छात्र शामिल होंगे। पहले यह परीक्षा 12 से होनी थी। (संवाद)

हिंदुस्तान 16/02/2022

सीएसए में मिड टर्म एग्जाम आज से

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में मिड टर्म की परीक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से बुधवार से शुरू हो रही हैं। विवि के रजिस्ट्रार डॉ. सीएल मौर्या ने बताया कि स्नातक, परास्नातक व पीएचडी की मिड टर्म परीक्षाएं कोरोना संक्रमण को देखते हुए ऑनलाइन माध्यम से कराई जा रही हैं।

वर्ष 16 अंक 46 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 16 फरवरी 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com पेज -8

हिमांशु सोनी ने की सात साल के बच्चे की तरह ए

कृषकों के खेत पर पहुंच कर बताई उन्नत बीज उत्पादन तकनीक

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलसचिव डॉ सी एल मौर्या द्वारा कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय चला गांव की ओर अभियान के अंतर्गत आज ग्राम फत्तेपुर, पतरा, सुजानपुर एवं विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में किसानों के साथ उनके प्रक्षेत्र पर गेहूं,सरसों, चना एवं मटर आदि रबी फसलों में शुद्ध बीज उत्पादन के लिए प्रयुक्त होने वाली तकनीकों पर परिचर्चा की। उन्होंने किसानों से कहा कि खड़ी बीज फसल की शुद्धता हेतु खेत में उपस्थित सभी अवांछनीय पौधे जैसे--लंबे पौधे, छोटे पौधे,भिन्न लक्षण वाले पौधे, रोग ग्रसित पौधे इत्यादि को खेत से बाहर निकालने का उन्होंने सुझाव दिया। डॉ मौर्या ने किसानों को यह भी बताया कि स्वयं बीज उत्पादन करने से आने वाले वर्षों में बीज निवेश पर होने वाला व्यय शून्य हो जाता है। जिससे किसानों का समय बचने के साथ-साथ आय में बढ़ोतरी होती है। बीज उत्पादन एवं बीज बाजारीकरण को एक उद्योग के रूप में कार्यक्रम लिए जाने का सुझाव दिया है। जिससे किसानों की आय बढ़ेगी। इससे कृषकों का जीवन खुशहाल होगा।उन्होंने किसानों को कृषि निवेश में कमी करने के लिए प्रत्येक वर्ष नये बीज क्रय न करके स्वयं के द्वारा उत्पादित बीजों को तीन वर्षों तक प्रयोग करने की सलाह दी। इस अवसर पर शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ भानु प्रताप सिंह सहित कई किसान उपस्थित रहे।

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpres

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

मंगलवार, 15-02-2022 अंक-45

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

खड़ी फसल बचाने के लिए खेत से हटा दें अन्य पौधे

विश्वविद्यालय चला गांव की ओर अभियान के अंतर्गत किसानों को दी गई जानकारी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलसचिव डॉ. सीएल मौर्या की ओर से कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय चला गांव की ओर अभियान के अंतर्गत ग्राम फत्तेपुर, पतरा, सुजानपुर एवं जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में किसानों के साथ परिचर्चा की गई। उनके प्रक्षेत्र पर गेहूं, सरसों, चना एवं मटर आदि रबी फसलों में शुद्ध बीज उत्पादन के लिए उपयोग होने वाली तकनीकों पर बात की गई।

उन्होंने किसानों से कहा कि खड़ी बीज फसल की शुद्धता के लिए खेत में उपस्थित सभी अवांछनीय पौधे जैसे लंबे पौधे, छोटे पौधे, रोग ग्रसित पौधे इत्यादि को खेत से बाहर निकाल दें। डॉ. मौर्या ने किसानों को यह भी बताया कि स्वयं बीज उत्पादन करने से आने वाले वर्षों में बीज निवेश पर होने वाला व्यय शून्य हो जाता है। इससे किसानों का समय बचने के साथ-साथ आय में बढ़ोतरी होती है। बीज उत्पादन एवं बीज बाजारीकरण को एक उद्योग के रूप में कार्यक्रम लिए जाने का सुझाव दिया है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। उनका जीवन खुशहाल होगा।

उन्होंने किसानों को कृषि निवेश में कमी करने के लिए प्रत्येक वर्ष नए बीज क्रय न करके स्वयं द्वारा उत्पादित बीजों को तीन वर्षों तक प्रयोग करने की सलाह दी। इस अवसर पर शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ. भानु प्रताप सिंह सहित कई किसान उपस्थित रहे। किसानों ने जानकारों के सुझाव पर अमल करने का आश्वासन भी दिया।

राष्ट्र निर्माण का अंग है चुनावी प्रक्रिया...

कानपुर, 15 फरवरी। मतदान में भाग लीजिये ताकि आप को किसी तरह का मलाल नहीं रह जाये। दरअसल हमें हर उस प्रक्रिया को अपनाना चाहिये, जो राष्ट्र निर्माण के लिये होती है। चुनाव भी ऐसी ही प्रक्रिया है, जिसमें सभी को भाग लेना चाहिये और मजबूत राष्ट्र निर्माण पर ध्यान देना चाहिये। वास्तव में एक वर्ग ऐसा है, जिसके लिये मतदान का दिन अवकाश का दिन है लेकिन यह कतई अनुचित है इसलिये इस बात को नकार कर वोट करने जरूर निकलें। अपने मन से बेहतर का चयन कीजिये क्योंकि आपका चयन ही आपका भविष्य निर्माण करेगा, जो दरअसल राष्ट्र निर्माण में आपका योगदान है.... **आज कानपुर 16/02/2022**

मतदान बिल्कुल इस तरह करिये जैसे आप अपने जरूरी काम करते हैं, खाना-पीना या फिर कुछ और। दरअसल यह देखा गया कि वोट नहीं करते हैं लेकिन सरकार की आलोचना करते हैं, जो ठीक नहीं है। आलोचना करे लेकिन चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा भी बने। आपको अगर कुछ गलत लग रहा है तो उसे सुधारना भी आपकी ही जिम्मेदारी है इसलिये मताधिकार के दायित्व को निभाये। वोटिंग के दिन को छुट्टी मानना बेहद गलत सोच है, इसे बदलना होगा।

प्रो. विनय पाठक, कुलपति सीएसजेएमयू

चुनाव देश का बहुत बड़ा उत्सव है, इसमें सभी की सहभागिता होना आवश्यक है। दरअसल यह अवसर देता है ताकि हम अपने उस अधिकार का उपयोग कर सकें, जो हमें संविधान दे रहा है। हमें जनप्रतिनिधि चुनना होता है और यह काफी महत्वपूर्ण बात है इसलिये वोटिंग सिर्फ अधिकार नहीं कर्तव्य भी है। वोटिंग को इग्नोर करना कतई गलत है। ऐसे में जागरुक लोगों की जिम्मेदारी है कि वह वोटिंग के प्रति उदासीन लोगों को प्रेरित करें और बेहतर माहौल बनाये।

डा.डी.आर.सिंह, कुलपति चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय

वोटिंग संवैधानिक अधिकार है और निश्चित आयु में आपको प्राप्त होता है, यह साबित करता है कि आप सोच-समझ के उस स्तर पर आ गये हैं कि किसे चुनना है, फैसला ले सकते हैं इसलिये वोटिंग जरूर करें। सच यह है कि अगर आपको लगता कि राजनीतिक स्थितियां बेहतर नहीं हैं तो उसे सुधारने का इकलौता तरीका ही वोटिंग करना है। आप वोटिंग को नकार कर कोई सुधार नहीं ला सकते हैं, राष्ट्र निर्माण सभी की जिम्मेदारी है, हमें वोटिंग राइट इसलिये ही मिला है।

अमित कुमार श्रीवास्तव, डीएवी कालेज

लोकतंत्र की खूबसूरती है वोटिंग राइट और लोकतंत्र को बहाल रखने की मजबूत वजह भी इसलिये वोट जरूर करें। यह दरअसल संवैधानिक अधिकार है और मेरे हिसाब से नैतिक दायित्व भी। हम अगर इस पर्व में शामिल हो रहे हैं तो यकीन मानिये अपने देश के लिये योगदान दे रहे हैं। सरकार बनाने में योगदान दे रहे है और यह बड़ी बात है। मतदान के दिन को छुट्टी का दिन मत माने बल्कि छुट्टी लेकर मतदान करने को प्राथमिकता दें।

डी.सी श्रीवास्तव, क्राइस्टचर्च कालेज